



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 187]
No. 187]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, मई 31, 1984/ज्येष्ठ 10, 1906
NEW DELHI, THURSDAY, MAY 31, 1984/JYAISTHA 10, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

विस्तृत संश्लेष

(राजस्व विभाग)

निदेशी कर प्रसार

नई दिल्ली, 31 मई, 1984

अधिसूचना

सां० का० नि० 419(अ) :— भारत सरकार और सोवियत समाजवादी गणराज्य संघ ने, स्थापना के वाहन से व्युत्पन्न आय कर करों की बाबत दोहरे कराधान से बचने के लिए, उक्त सरकारों द्वारा किए गए करार के उपोत्तरण के लिए, पत्र व्यवहार के माध्यम से एक करार किया है, जो इसके उपाबंध में उपबर्णित है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 90 और कंपनी (लाभ) प्रतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा 24-क द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देते हैं कि उक्त करार के उपबंध भारत संघ में प्रभावी किए जाएंगे।

अनुबन्ध

व्यापारिक जहाजरानी से संबंधित करार को संशोधित करने के लिए भारत सरकार तथा सोवियत समाजवादी गणतंत्र संघ के बीच करार।

सहामान्य,

नई दिल्ली,¹

अप्रैल, 12, 1983

भारत गणराज्य की सरकार तथा सोवियत समाजवादी गणतंत्र संघ की सरकार के प्रतिनिधि-मंडलों की नई दिल्ली में 4-6, अप्रैल, 1983 को बैठकें हुईं जिनमें उन दो नौका-वाहकों "टाइवर जेम्प्ली" तथा "यूलियम प्यूचिक" के संभालन के बारे में विस्तार से बातचीत की गई थी जिनका मालिक सोवियत संघ है परन्तु इन्टरलाइट इन्टरनेशनल शिपिंग कंपनी, जिसका प्रधान कार्यालय बुडापेस्ट में है, तथा जो सोवियत संघ, चेकोस्लोवाकिया, बल्गारिया और हंगरी की सरकारों की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, को एक निश्चित समय के लिये किराये पर दिये गये हैं। ये पोत सोवियत संघ का झंडा फहराएंगे। स्वामित्व वाले देशों के बीच अंतर-सरकारी करार के अंतर्गत, इन्टरलाइट इन्टरनेशनल शिपिंग कंपनी केवल सोवियत जलयानों का ही प्रयोग कर सकती है।

मामले की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए तथा उद्योग और वाणिज्य में, जिसमें जहाजरानी भी शामिल है, बढ़ते हुए भारत-सोवियत सहयोग को ध्यान में रखते हुए दोनों प्रतिनिधि-मंडल इस बात पर सहमत हुए थे कि सोवियत संघ के स्वामित्व वाले ऊपर उल्लिखित नौका-वाहन का संचालन, तथा सोवियत झंडा फहराना, 1976 के भारत-सोवियत जहाजरानी करार के अंतर्गत आता है। इन बातों पर भी सहमति हुई थी कि:-

- (1) इन्टरलाइट द्वारा भारत से तथा भारत को ले जाये जाने वाले माल पर, मूल के देश तथा गन्तव्य स्थान के देशों के बीच विद्यमान द्विपक्षीय जहाजरानी करारों, जहाँ कहीं ऐसे करार भारत और इन्टरलाइट के संयुक्त नाविकों के बीच

विद्यमान हों, की शर्तें लागू होंगी तथा, इस प्रकार के करारों के नहीं होने की स्थिति में, माल पर कोई विशेष रियायतें नहीं दी जाएंगी।

(2) (क) संवितरणों और पत्तन प्रभावों का भुगतान उस सीमा तक भारतीय रुपयों में किया जाएगा जिस सीमा तक यह पोत, रुपयों में भुगतान करने वाले देशों से तथा देशों की माल ले जा रहा हो;

(ख) रुपयों में भुगतान नहीं करने वाले देशों से तथा देशों को ले जाये जाने वाले माल के लिए संवितरणों और पत्तन प्रभावों का भुगतान मुक्त विदेशी मुद्रा में किया जाएगा।

परिस्थितियों के बदल जाने पर, दोनों पक्ष पारस्परिक सहमति से इस करार की समीक्षा कर सकते हैं।

कृपया इस बात की पुष्टि करें कि इस संबंध में हमारे बीच जो करार हुआ है वह उपर्युक्त में यथोचित रूप से निर्दिष्ट किया गया है।

मैं आपको अपनी परम आदर भावना का आभवादन देता हूँ।

आपका

ह०/-

मोहिन्दर सिंह

महामान्य श्री वी० एम० निकोलाई चुक,
उप-मंत्री
सोवियत मर्चेंट मैरीन मंत्रालय,
सोवियत समाजवादी गणसंघ संघ की सरकार।

नई दिल्ली,

अप्रैल, 12, 1983

महामान्य,

मुझे 12 अप्रैल, 1983 का आपका पत्र मिला जो इस प्रकार है:
“भारत गणराज्य की सरकार तथा सोवियत समाजवादी गणसंघ की सरकार के प्रतिनिधि-मंडलों की नई दिल्ली में 4-6 अप्रैल, 1983 को बैठकें हुई जिनमें उन दो नौका-वाहकों “टाइबर जेम्पूली” तथा “मूलियम प्यूनिक्” के संचालन के बारे में विस्तार से बातचीत की गई जो जिनका मालिक सोवियत संघ है परन्तु इंटरलाइटर इन्टरनेशनल शिपिंग कंपनी, जिसका प्रधान कार्यालय ब्रुक्लिंस्ट में है, तथा जो सोवियत संघ, चेकोस्लोवाकिया, बल्गारिया और हंगरी की सरकारों की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, की एक निश्चित समय के लिये किराये पर दिये गये हैं। ये पोत सोवियत संघ का झंडा फहराएंगे। स्वामित्व वाले देशों के बीच अंतर-सरकारी करार के अंतर्गत, इंटरलाइटर इन्टरनेशनल शिपिंग कंपनी केवल सोवियत जलयानों का ही प्रयोग कर सकती है।

मामले की विशेष परिस्थितियों को देखे हुए तथा उद्योग और वाणिज्य में, जिनमें जहाजरानी भी शामिल है, बढ़ते हुए भारत-सोवियत सहयोग को ध्यान में रखते हुए, दोनों प्रतिनिधि-मंडल इस बात पर सहमत हुए थे कि सोवियत संघ के स्वामित्व वाले ऊपर उल्लिखित नौका-वाहकों का संचालन, तथा सोवियत झंडा फहराना, 1976 के भारत-सोवियत जहाजरानी करार के अंतर्गत प्राप्ता है। इन बातों पर भी आगे सहमति हुई थी कि:—

(1) इंटरलाइटर द्वारा भारत से तथा भारत को ले जाये जाने वाले माल पर, मूल के देश तथा गन्तव्य स्थान के देशों के बीच विद्यमान द्विपक्षीय-जहाजरानी करारों, जहाँ कहीं ऐसे करार भारत और इंटरलाइटर के संयुक्त भागियों के बीच विद्यमान

हों, की शर्तें लागू होंगी तथा, इस प्रकार के करारों के नहीं होने की स्थिति में, माल पर कोई विशेष रियायतें नहीं दी जाएंगी।

(2) (क) संवितरणों और पत्तन प्रभावों का भुगतान उस सीमा तक भारतीय रुपयों में किया जाएगा जिस सीमा तक यह पोत, रुपयों में भुगतान करने वाले देशों से तथा देशों की माल ले जा रहा हो;

(ख) रुपयों में भुगतान नहीं करने वाले देशों से तथा देशों को ले जाये जाने वाले माल के लिए संवितरणों और पत्तन प्रभावों का भुगतान मुक्त विदेशी मुद्रा में किया जाएगा।

परिस्थितियों के बदल जाने पर, दोनों पक्ष पारस्परिक सहमति से इस करार की समीक्षा कर सकते हैं।

कृपया इस बात की पुष्टि करें कि इस संबंध में हमारे बीच जो करार हुआ है वह उपर्युक्त में यथोचित रूप से निर्दिष्ट किया गया है।

मैं आपको अपनी परम आदर भावना का आभवादन देता हूँ।

मुझे इस बात की पुष्टि करने का गौरव है कि इस संबंध में हमारे बीच जो सहमति हुई है वह आपके पत्र की विषय-वस्तु में यथोचित रूप से निर्दिष्ट की गई है।

मैं आपको अपनी परम आदर भावना का आभवादन देता हूँ।

आपका

ह०/- वी०एम० निकोलाई चुक

महामान्य श्री मोहिन्दर सिंह,

सचिव, भारत सरकार

जहाजरानी तथा परिवहन मंत्रालय,

नई दिल्ली।

नई दिल्ली,

अप्रैल, 12, 1983

महामान्य,

मुझे दो नौका-वाहकों “टाइबर जेम्पूली” तथा “मूलियम प्यूनिक्” के संचालन के संबंध में हुई आपसी भर्त्ता का तथा भारतीय और सोवियत प्रतिनिधि मंडलों के बीच आज अर्थात् 12 अप्रैल, 1983 को हुए पत्र के आदान-प्रदान का हवाला देने का गौरव प्राप्त हुआ है। दो प्रतिनिधि मंडलों के मध्य इस बात पर भी सहमति हो गई है कि ऊपर उल्लिखित जलयान केवल बम्बई पत्तन पर ही आवेंगे तथा एक कैलेंडर वर्ष में 14 बार तक आ सकेंगे। इसके अतिरिक्त, यदि परिस्थितियाँ बदल जायें तो दोनों पक्ष पारस्परिक सहमति से इस व्यवस्था की समीक्षा कर सकते हैं।

कृपया इस बात की पुष्टि करें कि इस संबंध में हमारे बीच जो समझौता हुआ है उसे उपर्युक्त में यथोचित रूप से निर्दिष्ट किया गया है।

मैं आपको अपनी परम आदर भावना का आभवादन देता हूँ।

आपका

ह०/- मोहिन्दर सिंह

महामान्य श्री वी०एम० निकोलाई चुक

उप-मंत्री,

सोवियत मर्चेंट मैरीन मंत्रालय

सोवियत समाजवादी गणसंघ संघ की सरकार

नई दिल्ली,
12 अप्रैल, 1983

महोदय,

मैं आपको आपका 12 अप्रैल, 1983 का पत्र प्राप्त हुआ जो इस प्रकार है—“मुझे दो नवी ‘तीका-वाहका’ ‘टाइबर जेम्सली’ तथा ‘यूलियस फ्यूचिक’ के संचालन के संबंध में हुई आपसी चर्चा का तथा भारतीय और सोवियत प्रतिनिधि मंडलों के बीच आज अर्थात् 12 अप्रैल, 1983 को हुए पत्र के आदान-प्रदान का हवाला देने का गौरव प्राप्त हुआ है। वा प्रतिनिधि मंडलों के मध्य इस बात पर भी सहमति हो गई है कि ऊपर उल्लिखित जलयान केवल बंबई पत्तन पर ही आएंगे तथा एक कैलेंडर वर्ष में 14 बार तक आ सकेंगे। इसके अतिरिक्त, यदि परिस्थितियाँ बदल जायें तो दोनों पक्ष पारस्परिक सहमति से इस व्यवस्था की समीक्षा कर सकते हैं। कृपया इस बात की पुष्टि करें कि इस संबंध में हमारे बीच जो समझौता हुआ है उसे उपर्युक्त में यथोचित रूप से निदिष्ट किया गया है।

मैं आपको अपनी परम आदर भावना का आभवादन देता हूँ।”

मुझे इस बात की पुष्टि करने का गौरव है कि इस संबंध में हमारे बीच जो सहमति हुई है वह आपके पत्र की विषय-वस्तु में यथोचित रूप से निदिष्ट की गई है।

मैं आपको अपनी परम आदर भावना का आभवादन देता हूँ।

आपका

हस्ता०/-वी० एम० निकोलाई शुक्

महोदय श्री मोहिन्दर सिंह

सचिव, भारत सरकार

जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय

नई दिल्ली।

[का सं 480/1/81-एफ. टी. बी]

सी के तिकू, संयुक्त सचिव,

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(Foreign Tax Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st May, 1984

INCOME-TAX

G.S.R. 419 (E).—Whereas the Government of India and the Union of Soviet Socialist Republics have concluded an agreement through exchange of letters as set out in the Annexure hereto, for the modification of the Agreement entered into by the said Government, for the avoidance of double taxation in respect of taxes on income derived from the carriage of cargo;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and section 24A of the Companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964), the Central

Government hereby directs that the provisions of the said agreement shall be given effect to in the Union of India.

ANNEXURE

AGREEMENT BETWEEN THE GOVERNMENT OF INDIA AND THE UNION OF SOVIET SOCIALIST REPUBLICS MODIFYING THE AGREEMENT ON MERCHANT SHIPPING.

New Delhi,
April 12, 1983

Excellency,

“The delegation of the Government of the Union Republic of India and the Government of the Union of Soviet Socialist Republics met at New Delhi on April 4-6-1983 and had detailed discussions about the operation of two lighter-carriers “Tibor Szemueli” and “Yulius Fuchik” owned by the Soviet Union but on time-charter to the Interlighter International Shipping Company with headquarters at Budapest which is a joint venture company of the Governments of Soviet Union, Czechoslovakia, Bulgaria and Hungary. The ships fly the flag of the Soviet Union. Under the inter-governmental agreement between the owner countries, the Interlighter International Shipping Company can use only the Soviet vessels.

In view of the special circumstances of the case and taking note of the growing Indo-Soviet cooperation in industry and commerce including shipping, the two delegations agreed that the operation of the above named lighter-carriers owned by the Soviet Union and flying the Soviet flag is covered by the Indo-Soviet Shipping Agreement of 1976. It was further agreed:

- (1) the cargoes handled by the “Interlighter” from and to India will be subject to the existing bilateral shipping agreements between the countries of origin and destination wherever they exist between India and the co-owners of the “Interlighter” and, in the absence of such agreements, the cargoes will not attract any special concessions;
- (2) (a) disbursements and port dues shall be paid in Indian rupees to the extent the ship is carrying cargo from and to rupee payment countries;
- (b) disbursements and port dues shall be paid in free foreign exchange for cargoes carried from and to the non-rupee payment countries.

In case circumstances change, the parties may by mutual consent review this agreement.

Kindly confirm that the above correctly sets out the agreement reached between us in this regard.

Assuring you of my highest consideration.

Yours sincerely,
Sd/- Mohinder Singh

H.E. Mr. V.M. Nicolaichuk
Deputy Minister,
Soviet Ministry of Merchant Marine,
Government of the U.S.S.R.

NEW DELHI

April 12, 1983.

Excellency.

I acknowledge the receipt of your letter of 12 April 1983 which reads as follows:

"The delegations of the Government of the Republic of India and the Government of the Union of Soviet Socialist Republics met at New Delhi on April 4-6-1983 and had detailed discussions about the operation of two lighter-carriers "Tibor Szemuely" and "Yulius Fuchik" owned by the Soviet Union but on time-charter to the Interlighter International Shipping Company with headquarters at Budapest which is a joint venture company of the Governments of Soviet Union, Czechoslovakia, Bulgaria and Hungary. The ships fly the flag of the Soviet Union. Under the inter-governmental agreement between the owner countries, the Interlighter International Shipping Company can use only the Soviet vessels.

In view of the special circumstances of the case and taking note of the growing Indo-Soviet cooperation in industry and commerce including shipping, the two delegations agreed that the operation of the above named lighter-carriers owned by the Soviet Union and flying the Soviet flag is covered by the Indo-Soviet Shipping Agreement of 1976. It was further agreed:

- (1) the cargoes handled by the "Interlighter" from and to India will be subject to the existing bilateral shipping agreements between the countries of origin and destination wherever they exist between India and the co-owners of the "Interlighter" and, in the absence of such agreements, the cargoes will not attract any special concessions;
- (2) (a) disbursements and port dues shall be paid in Indian rupees to the extent the

ship is carrying cargo from and to rupee payment countries;

- (b) disbursements and port dues shall be paid in free foreign exchange for cargoes carried from and to the non-rupee payment countries.

In case circumstances change, the parties may by mutual consent review this agreement.

Kindly confirm that the above correctly sets out the agreement reached between us in this regard.

Assuring you of my highest consideration."

I have the honour to confirm that the contents of your letter correctly set out the understanding between us in this regard.

Assuring you of my highest consideration."

Yours sincerely,
Sd/- V.M. Nicolaichuk

H.E. Mr. Mohinder Singh
Secretary to the Government of India
Ministry of Shipping and Transport,

New Delhi,
April 12, 1983

Excellency,

I have the honour to refer to our discussions in connection with the operation of the two Soviet lighter-carriers "Tibor Szamuely" and "Yulius Fuchik" and the letter exchanged between the Indian and the Soviet delegations today, i.e. April 12, 1983. It has been further agreed between the two delegation that the above mentioned vessels are to call only at the Port of Bombay and may provide upto 14 calls in a calendar year. Further, in case the circumstances change, the parties may by mutual consent review this arrangement.

Kindly confirm that the above correctly sets out the agreement reached between us in this regard.

Assuring you of my highest consideration.

Yours sincerely
Sd/-

MOHINDER SINGH

H. E. Mr. V. M. NICHOLAICHUK,
Deputy Minister,
Soviet Ministry of Merchant Marine,
Government of the U.S.S.R.

New Delhi,
April 12, 1983.

Excellency,

I acknowledge the receipt of your letter of 12 April 1983 which reads as follows:

"I have the honour to refer to our discussions in connection with the operation of the two Soviet lighter-carriers "Tibor Szemuely" and "Yulius Fuchik" and the letter exchanged between the Indian and the Soviet delegations today, i.e. April 12, 1983. It has been further agreed between the two delegations that the above mentioned vessels are to call only at the Port of Bombay and may provide upto 14 calls in a calendar year. Further, in case the circumstances change, the parties may by mutual consent review this agreement.

Kindly confirm that the above correctly sets the agreement reached between us in this regard.

Assuring you of my highest consideration."

I have the honour to confirm that the contents of your letter correctly set out the understanding reached between us.

Assuring you of my highest consideration

Yours sincerely

Sd/-

V. M. NICOLAICHUK

H. E. Mr Mohinder Singh,
Secretary to the Government of India,
Ministry of Shipping & Transport,
New Delhi

[F. No. 480/1/81/FTD]
C. K. TIKKU, Jt. Secy.

